



615.00  
 110500  
 490  
 1105000  
 9,90,000  
 1105000  
 23  
 14  
 5379  
 5386  
 6765  
 412144  
 5379  
 1105000  
 51650  
 58860  
 26.4.96  
 24.6.96  
 8,90,000 चाहु नम नवै शावाह उक्ता यूला तु  
 पिंगु नाक विष्णु देवाला दग्गि ।

कोवाला मुहिता १- देवार्ग डेक्ट्रिक लौन । इत्यु । ग्राहिते

लिथिटेक, १९५६ नाले देवाला एक्टेते

नथिवक वा ड्रिविन्टीकृत एक्टि देवाला -

गो ४१, एन.एस.ट्रोड, पानवडोाति विल डिस,

कलिकाता ७००००१ ।

दाता १- १। देवार्ग डेक्ट्रिक लौन । इत्यु वाह याही ,

डेक्ट्रिक लिता यूक्त अंगूठ्या नाव याही

उत्तरायु जाति दिल्ली, देवार्ग चाहादि, नाविम वायत्ता

वाया ३६ डि एस वायु ३ विष्णुपुर , देवार्ग ददिन

चाविष लूगणा ।

Adm. Date १८/८/१९५६  
 Date Sealed १८/८/१९५६  
 Seal No. २१-६७५६  
 Roll No. ३३८६०  
 Stamp No. ३३८६०  
 Date १८/८/१९५६  
 Seal No. २१-६७५६  
 Roll No. ३३८६०

SI No. 1584 (Date 12/4/96)  
 Sold to Smt. Deshmukh Stone (P) Ltd.  
 Address: 47, N.S. Road  
 Rs. 15000/-

Stamp C. 12/4/96  
 Amount - 15000/-



15000 x 3 = 45000/-  
 3000 x 2 = 6000/-  
 500 x 1 = 500/-

~~Additional Registration No. 267  
 Date 26/4/96  
 in the Name of Add. Dist. Sub. P.M.  
 Seller by Sandesh for magi  
 son of the Plaintiff/Claimant~~

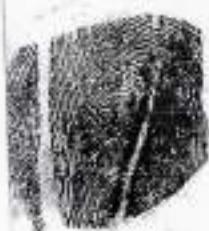
Additional District  
 Purnia, South 24 Parganas

মাটির পুরোটা মাটি



WOT

মাটির পুরোটা মাটি



WB

পুরোটা মাটি

1. Sandesh for magi  
 2. Bista Nath magi  
 & Jitendra Nath magi  
 Amtala  
 3. -  
 4. -  
 5. -  
 6. -  
 7. -  
 8. -  
 9. -  
 10. -  
 11. -  
 12. -  
 13. -  
 14. -  
 15. -  
 16. -  
 17. -  
 18. -  
 19. -  
 20. -  
 21. -  
 22. -  
 23. -  
 24. -  
 25. -  
 26. -  
 27. -  
 28. -  
 29. -  
 30. -  
 31. -  
 32. -  
 33. -  
 34. -  
 35. -  
 36. -  
 37. -  
 38. -  
 39. -  
 40. -  
 41. -  
 42. -  
 43. -  
 44. -  
 45. -  
 46. -  
 47. -  
 48. -  
 49. -  
 50. -  
 51. -  
 52. -  
 53. -  
 54. -  
 55. -  
 56. -  
 57. -  
 58. -  
 59. -  
 60. -  
 61. -  
 62. -  
 63. -  
 64. -  
 65. -  
 66. -  
 67. -  
 68. -  
 69. -  
 70. -  
 71. -  
 72. -  
 73. -  
 74. -  
 75. -  
 76. -  
 77. -  
 78. -  
 79. -  
 80. -  
 81. -  
 82. -  
 83. -  
 84. -  
 85. -  
 86. -  
 87. -  
 88. -  
 89. -  
 90. -  
 91. -  
 92. -  
 93. -  
 94. -  
 95. -  
 96. -  
 97. -  
 98. -  
 99. -  
 100. -  
 101. -  
 102. -  
 103. -  
 104. -  
 105. -  
 106. -  
 107. -  
 108. -  
 109. -  
 110. -  
 111. -  
 112. -  
 113. -  
 114. -  
 115. -  
 116. -  
 117. -  
 118. -  
 119. -  
 120. -  
 121. -  
 122. -  
 123. -  
 124. -  
 125. -  
 126. -  
 127. -  
 128. -  
 129. -  
 130. -  
 131. -  
 132. -  
 133. -  
 134. -  
 135. -  
 136. -  
 137. -  
 138. -  
 139. -  
 140. -  
 141. -  
 142. -  
 143. -  
 144. -  
 145. -  
 146. -  
 147. -  
 148. -  
 149. -  
 150. -  
 151. -  
 152. -  
 153. -  
 154. -  
 155. -  
 156. -  
 157. -  
 158. -  
 159. -  
 160. -  
 161. -  
 162. -  
 163. -  
 164. -  
 165. -  
 166. -  
 167. -  
 168. -  
 169. -  
 170. -  
 171. -  
 172. -  
 173. -  
 174. -  
 175. -  
 176. -  
 177. -  
 178. -  
 179. -  
 180. -  
 181. -  
 182. -  
 183. -  
 184. -  
 185. -  
 186. -  
 187. -  
 188. -  
 189. -  
 190. -  
 191. -  
 192. -  
 193. -  
 194. -  
 195. -  
 196. -  
 197. -  
 198. -  
 199. -  
 200. -  
 201. -  
 202. -  
 203. -  
 204. -  
 205. -  
 206. -  
 207. -  
 208. -  
 209. -  
 210. -  
 211. -  
 212. -  
 213. -  
 214. -  
 215. -  
 216. -  
 217. -  
 218. -  
 219. -  
 220. -  
 221. -  
 222. -  
 223. -  
 224. -  
 225. -  
 226. -  
 227. -  
 228. -  
 229. -  
 230. -  
 231. -  
 232. -  
 233. -  
 234. -  
 235. -  
 236. -  
 237. -  
 238. -  
 239. -  
 240. -  
 241. -  
 242. -  
 243. -  
 244. -  
 245. -  
 246. -  
 247. -  
 248. -  
 249. -  
 250. -  
 251. -  
 252. -  
 253. -  
 254. -  
 255. -  
 256. -  
 257. -  
 258. -  
 259. -  
 260. -  
 261. -  
 262. -  
 263. -  
 264. -  
 265. -  
 266. -  
 267. -  
 268. -  
 269. -  
 270. -  
 271. -  
 272. -  
 273. -  
 274. -  
 275. -  
 276. -  
 277. -  
 278. -  
 279. -  
 280. -  
 281. -  
 282. -  
 283. -  
 284. -  
 285. -  
 286. -  
 287. -  
 288. -  
 289. -  
 290. -  
 291. -  
 292. -  
 293. -  
 294. -  
 295. -  
 296. -  
 297. -  
 298. -  
 299. -  
 300. -  
 301. -  
 302. -  
 303. -  
 304. -  
 305. -  
 306. -  
 307. -  
 308. -  
 309. -  
 310. -  
 311. -  
 312. -  
 313. -  
 314. -  
 315. -  
 316. -  
 317. -  
 318. -  
 319. -  
 320. -  
 321. -  
 322. -  
 323. -  
 324. -  
 325. -  
 326. -  
 327. -  
 328. -  
 329. -  
 330. -  
 331. -  
 332. -  
 333. -  
 334. -  
 335. -  
 336. -  
 337. -  
 338. -  
 339. -  
 340. -  
 341. -  
 342. -  
 343. -  
 344. -  
 345. -  
 346. -  
 347. -  
 348. -  
 349. -  
 350. -  
 351. -  
 352. -  
 353. -  
 354. -  
 355. -  
 356. -  
 357. -  
 358. -  
 359. -  
 360. -  
 361. -  
 362. -  
 363. -  
 364. -  
 365. -  
 366. -  
 367. -  
 368. -  
 369. -  
 370. -  
 371. -  
 372. -  
 373. -  
 374. -  
 375. -  
 376. -  
 377. -  
 378. -  
 379. -  
 380. -  
 381. -  
 382. -  
 383. -  
 384. -  
 385. -  
 386. -  
 387. -  
 388. -  
 389. -  
 390. -  
 391. -  
 392. -  
 393. -  
 394. -  
 395. -  
 396. -  
 397. -  
 398. -  
 399. -  
 400. -  
 401. -  
 402. -  
 403. -  
 404. -  
 405. -  
 406. -  
 407. -  
 408. -  
 409. -  
 410. -  
 411. -  
 412. -  
 413. -  
 414. -  
 415. -  
 416. -  
 417. -  
 418. -  
 419. -  
 420. -  
 421. -  
 422. -  
 423. -  
 424. -  
 425. -  
 426. -  
 427. -  
 428. -  
 429. -  
 430. -  
 431. -  
 432. -  
 433. -  
 434. -  
 435. -  
 436. -  
 437. -  
 438. -  
 439. -  
 440. -  
 441. -  
 442. -  
 443. -  
 444. -  
 445. -  
 446. -  
 447. -  
 448. -  
 449. -  
 450. -  
 451. -  
 452. -  
 453. -  
 454. -  
 455. -  
 456. -  
 457. -  
 458. -  
 459. -  
 460. -  
 461. -  
 462. -  
 463. -  
 464. -  
 465. -  
 466. -  
 467. -  
 468. -  
 469. -  
 470. -  
 471. -  
 472. -  
 473. -  
 474. -  
 475. -  
 476. -  
 477. -  
 478. -  
 479. -  
 480. -  
 481. -  
 482. -  
 483. -  
 484. -  
 485. -  
 486. -  
 487. -  
 488. -  
 489. -  
 490. -  
 491. -  
 492. -  
 493. -  
 494. -  
 495. -  
 496. -  
 497. -  
 498. -  
 499. -  
 500. -  
 501. -  
 502. -  
 503. -  
 504. -  
 505. -  
 506. -  
 507. -  
 508. -  
 509. -  
 510. -  
 511. -  
 512. -  
 513. -  
 514. -  
 515. -  
 516. -  
 517. -  
 518. -  
 519. -  
 520. -  
 521. -  
 522. -  
 523. -  
 524. -  
 525. -  
 526. -  
 527. -  
 528. -  
 529. -  
 530. -  
 531. -  
 532. -  
 533. -  
 534. -  
 535. -  
 536. -  
 537. -  
 538. -  
 539. -  
 540. -  
 541. -  
 542. -  
 543. -  
 544. -  
 545. -  
 546. -  
 547. -  
 548. -  
 549. -  
 550. -  
 551. -  
 552. -  
 553. -  
 554. -  
 555. -  
 556. -  
 557. -  
 558. -  
 559. -  
 560. -  
 561. -  
 562. -  
 563. -  
 564. -  
 565. -  
 566. -  
 567. -  
 568. -  
 569. -  
 570. -  
 571. -  
 572. -  
 573. -  
 574. -  
 575. -  
 576. -  
 577. -  
 578. -  
 579. -  
 580. -  
 581. -  
 582. -  
 583. -  
 584. -  
 585. -  
 586. -  
 587. -  
 588. -  
 589. -  
 590. -  
 591. -  
 592. -  
 593. -  
 594. -  
 595. -  
 596. -  
 597. -  
 598. -  
 599. -  
 600. -  
 601. -  
 602. -  
 603. -  
 604. -  
 605. -  
 606. -  
 607. -  
 608. -  
 609. -  
 610. -  
 611. -  
 612. -  
 613. -  
 614. -  
 615. -  
 616. -  
 617. -  
 618. -  
 619. -  
 620. -  
 621. -  
 622. -  
 623. -  
 624. -  
 625. -  
 626. -  
 627. -  
 628. -  
 629. -  
 630. -  
 631. -  
 632. -  
 633. -  
 634. -  
 635. -  
 636. -  
 637. -  
 638. -  
 639. -  
 640. -  
 641. -  
 642. -  
 643. -  
 644. -  
 645. -  
 646. -  
 647. -  
 648. -  
 649. -  
 650. -  
 651. -  
 652. -  
 653. -  
 654. -  
 655. -  
 656. -  
 657. -  
 658. -  
 659. -  
 660. -  
 661. -  
 662. -  
 663. -  
 664. -  
 665. -  
 666. -  
 667. -  
 668. -  
 669. -  
 670. -  
 671. -  
 672. -  
 673. -  
 674. -  
 675. -  
 676. -  
 677. -  
 678. -  
 679. -  
 680. -  
 681. -  
 682. -  
 683. -  
 684. -  
 685. -  
 686. -  
 687. -  
 688. -  
 689. -  
 690. -  
 691. -  
 692. -  
 693. -  
 694. -  
 695. -  
 696. -  
 697. -  
 698. -  
 699. -  
 700. -  
 701. -  
 702. -  
 703. -  
 704. -  
 705. -  
 706. -  
 707. -  
 708. -  
 709. -  
 710. -  
 711. -  
 712. -  
 713. -  
 714. -  
 715. -  
 716. -  
 717. -  
 718. -  
 719. -  
 720. -  
 721. -  
 722. -  
 723. -  
 724. -  
 725. -  
 726. -  
 727. -  
 728. -  
 729. -  
 730. -  
 731. -  
 732. -  
 733. -  
 734. -  
 735. -  
 736. -  
 737. -  
 738. -  
 739. -  
 740. -  
 741. -  
 742. -  
 743. -  
 744. -  
 745. -  
 746. -  
 747. -  
 748. -  
 749. -  
 750. -  
 751. -  
 752. -  
 753. -  
 754. -  
 755. -  
 756. -  
 757. -  
 758. -  
 759. -  
 760. -  
 761. -  
 762. -  
 763. -  
 764. -  
 765. -  
 766. -  
 767. -  
 768. -  
 769. -  
 770. -  
 771. -  
 772. -  
 773. -  
 774. -  
 775. -  
 776. -  
 777. -  
 778. -  
 779. -  
 780. -  
 781. -  
 782. -  
 783. -  
 784. -  
 785. -  
 786. -  
 787. -  
 788. -  
 789. -  
 790. -  
 791. -  
 792. -  
 793. -  
 794. -  
 795. -  
 796. -  
 797. -  
 798. -  
 799. -  
 800. -  
 801. -  
 802. -  
 803. -  
 804. -  
 805. -  
 806. -  
 807. -  
 808. -  
 809. -  
 810. -  
 811. -  
 812. -  
 813. -  
 814. -  
 815. -  
 816. -  
 817. -  
 818. -  
 819. -  
 820. -  
 821. -  
 822. -  
 823. -  
 824. -  
 825. -  
 826. -  
 827. -  
 828. -  
 829. -  
 830. -  
 831. -  
 832. -  
 833. -  
 834. -  
 835. -  
 836. -  
 837. -  
 838. -  
 839. -  
 840. -  
 841. -  
 842. -  
 843. -  
 844. -  
 845. -  
 846. -  
 847. -  
 848. -  
 849. -  
 850. -  
 851. -  
 852. -  
 853. -  
 854. -  
 855. -  
 856. -  
 857. -  
 858. -  
 859. -  
 860. -  
 861. -  
 862. -  
 863. -  
 864. -  
 865. -  
 866. -  
 867. -  
 868. -  
 869. -  
 870. -  
 871. -  
 872. -  
 873. -  
 874. -  
 875. -  
 876. -  
 877. -  
 878. -  
 879. -  
 880. -  
 881. -  
 882. -  
 883. -  
 884. -  
 885. -  
 886. -  
 887. -  
 888. -  
 889. -  
 890. -  
 891. -  
 892. -  
 893. -  
 894. -  
 895. -  
 896. -  
 897. -  
 898. -  
 899. -  
 900. -  
 901. -  
 902. -  
 903. -  
 904. -  
 905. -  
 906. -  
 907. -  
 908. -  
 909. -  
 910. -  
 911. -  
 912. -  
 913. -  
 914. -  
 915. -  
 916. -  
 917. -  
 918. -  
 919. -  
 920. -  
 921. -  
 922. -  
 923. -  
 924. -  
 925. -  
 926. -  
 927. -  
 928. -  
 929. -  
 930. -  
 931. -  
 932. -  
 933. -  
 934. -  
 935. -  
 936. -  
 937. -  
 938. -  
 939. -  
 940. -  
 941. -  
 942. -  
 943. -  
 944. -  
 945. -  
 946. -  
 947. -  
 948. -  
 949. -  
 950. -  
 951. -  
 952. -  
 953. -  
 954. -  
 955. -  
 956. -  
 957. -  
 958. -  
 959. -  
 960. -  
 961. -  
 962. -  
 963. -  
 964. -  
 965. -  
 966. -  
 967. -  
 968. -  
 969. -  
 970. -  
 971. -  
 972. -  
 973. -  
 974. -  
 975. -  
 976. -  
 977. -  
 978. -  
 979. -  
 980. -  
 981. -  
 982. -  
 983. -  
 984. -  
 985. -  
 986. -  
 987. -  
 988. -  
 989. -  
 990. -  
 991. -  
 992. -  
 993. -  
 994. -  
 995. -  
 996. -  
 997. -  
 998. -  
 999. -  
 1000. -  
 1001. -  
 1002. -  
 1003. -  
 1004. -  
 1005. -  
 1006. -  
 1007. -  
 1008. -  
 1009. -  
 1010. -  
 1011. -  
 1012. -  
 1013. -  
 1014. -  
 1015. -  
 1016. -  
 1017. -  
 1018. -  
 1019. -  
 1020. -  
 1021. -  
 1022. -  
 1023. -  
 1024. -  
 1025. -  
 1026. -  
 1027. -  
 1028. -  
 1029. -  
 1030. -  
 1031. -  
 1032. -  
 1033. -  
 1034. -  
 1035. -  
 1036. -  
 1037. -  
 1038



कर्या निष्पुण कर्मचारीले विदेश ताबे वर्णित निष्पाय गत्रियांगे ।

कर्मदेश १०४२ अडक पालि जमि सर्वप्रकार इजटेमेटे नुस्तास गह दख्तवन्तु

हक हकुक मन्त्र्यां पिर्दाय विदेशी नुस्त युक्त खास चयन्त्रिय निःगुण गोक

विदेश डोबालाई दिल लए खिदू कार्यालयांगे ।

ठेला दर्कि, १४ लक्षणां, लक्षणां वालिथावाद, नावद्युद्देश्यांगी ।

अडित्र विष्टपूरु, धाना विष्टपूरु, घर ठेला कालकटा छिट्ठ ३९५ न०

ठेला भुज ड्रुष्टसांग ११, घर एग ११७३, घोजा वालिथावाद ग्राम

वालिक गाविचम वह गतुकारुगढक विज २११ न० खंडियांगे १८७ न०

दादग पालि १९ अडक जमि घारा वायरु खत २९४२ न० ००१९१९५६ गाले

६३६८ न० एकदकेता ठेला वाला दिल दूले खंडियांगे ओ गत १० ००१९१९५१

गाले ४३०० न० एक देता ठेला वाला दूले १०५२ न० खंडियांगे ०६२ न०



00BB 324732

दादग पालि २७ पठक जामि खड़िन क हिया हि अद्व देश्वर ३२१८५६ गुरु  
प्राप्त हईया थाय एस व तियांने ६६ नव चतुर्थ तुल कर्त्तव्या १६० मृ  
दादग पालि १६ पठक पालि चतुर्थ तुल कर्त्तव्या हि । अनुव एवही -  
देवोपाय ३८ व तियांने ३८ दादग दमाट १ - ४२ पठक पालि जामि आयत्ता  
दूसराने खड़िन ओमाच्छ गुरु प्राप्त हईया एवं विकास वांगे चालादित्  
थारु पालिक गवुकाठे कर्त्तव्या वादाते खादग दमाट विष्वास वाहि ।

एवं नामाविध उद्ध ओ नवत कात्तवे वामादेव वगद अद्वरु -

विश्वाक इष्याय निश्च तपशील वर्णित १०४२ पठक पालि जामि विएत्ता -

क खियाय देवाला क खिल ए देवाला शुहिती वापान ताहा वदगत

हईया वर्णान वालाय उचित गर्द्दूच्च देवलदोषां शब्दग ४,१०,०००

चारु लक नवै वाजाय उकाए एव घटेव खात्तुन कहित इच्छुक इष्याय -



8

प्राप्ति के द्वारा दी गई उम्मीदें नहीं बदल सकती हैं लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति ओ दीकृत इक्ष्या एवं पर्याप्त नहीं बदल सकती हैं लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -  
उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -  
उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -

उम्मीदें अस्ति एवं चिकित्सा इक्ष्या एवं पर्याप्त एकालिन वग़ान बुझ लासिया वापर -



- ८ -

ওয়াচগুনাব বা গুলালিহি ও গণপ্রতিষ্ঠান কেবল কর্তৃপক্ষের কোন প্রকার ওভার  
অবস্থার দাবি সাময়া কর্তৃত পাত্রিব বা বাক কর্তৃত একান্তর নাই, কর্তৃদেশে  
তাহা সর্ববর্ণ সর্বসম্মত বাজিল নামপ্রস্তুত বালিয়া পদ্ধ হইবে।

এই বিশেষজ্ঞ সম্পত্তি পায়ে ইতিপূর্বে অপর কাহাকেও দাব, বিশেষ,  
বক্তব্য প্রজাবিলি ইত্যাদি পাত্র কোন প্রকার কর্তৃপক্ষ ও দায়াবক্ষ কারু বাহ  
বা উহাতে পায়ে ব্যাপ্তি অধিকাদেশ অপর কোম পুরুক বস্তীদাতা বা দাবশৈলী  
মাহি বা উহা কোম আদানত কর্তৃক বৈলাভ বিশেষ হয় নাই বা চেকাবক্ষ —  
বচে বা উহা ইতিপূর্বের কোম দেবসেবায় বাঁ জনবিকল কাঁচের বর্ণ কর্তৃ নাই  
বা উহা কোম গোবিলিক বেতি কর্তৃক একাকুইভিলাব বা কৃতিকৃষিগাম নচে বা

500Rs



- 5 -

卷之三

ମେତ୍ରାଙ୍ଗ ହିସେଟୁ ଜନ୍ୟ ଅନ୍ଦା ବାହି ପଦିଲେଖୁ ଉପରୁ କେବି ପ୍ରକାରୁ ଧାରାଟିଥି ଜାରୁଣ୍ଯ ହୁଏ ଯାଇ ବା ଉତ୍ସସମ୍ପତ୍ତି ସମ୍ମାନାତ୍ମକ କର୍ତ୍ତୃକ ଚେତନାଟିତ ନଦୀ ଗମ୍ଭୀର ଲିର୍ବାହୀ ଅବସ୍ଥା ଯୁ ଥାପିନାକେ ନାକ ବିଶେଷ ଫର୍ମିଯା ଦିଯୁା ବିଶେଷ ସମ୍ପତ୍ତି ଥାକାରୁ ବ୍ୟକ୍ତତା ଦୋଷମୁକ୍ତ ଦୂରାଳୀ ଥାମ ଦସଳ ପତ୍ରିତ୍ୟାଗ କର୍ତ୍ତିଲୁମ୍ ।

ବିଦ୍ୟାରେ ଦଶଶହୀତ କେବି ଗୁରୁତ୍ୱ ଭୂଲ ହୀନ୍ତି ସାହାର ପ୍ରକାଶ ପାଇଲେ  
ଯାତିକ ଆଇଥିରେ ଯାମିବ ବିକଳ— ବିଦ୍ୟାରେ ଗୁରୁତ୍ୱର ନୃତ୍ୟ ପରିଚଳନା  
ବା ନୂରାତା ପ୍ରୟୁତୋଧାନରୁ ସମ୍ମିଳନ କୁଠରୁ ଏହାରେ ହାବି ବା ବିଷ୍ଣୁ ଘଟିଲେ  
ଦୋଷରେ ମନୁଦୟ ଟୈଫିଟ ଯାଏ ଯାବଜୀବି ସମ୍ମାନ କରିଲୁଣ ତଥା ଆଗନରେ ଏକକ ପିଲି  
ଦକ୍ଷରେ ଦିଦିତ ବିଷରୀ ମାଛ ଓହାରୁଙ୍ଗିମାନରେ ସାଧ୍ୟ ହୁଅଲାଗି ।

ଏତଦରେ ମୁଣ୍ଡ ପାତ୍ରିତକୁ ଜରୁଗ ଯନ୍ତେ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବିଷ ପାତ୍ରିତ ହେଲା



दसूच्छाया ए दलिलेत्र योवडीय मर्म सधाक अवगत हैरुट डिप्टी-प्रे युरियो -  
याय ए दलिलेत्र योवडीय गठेष्ठ एथरुट याय आधादेव ओर्डिनेसमानशेषेम  
वाध्य एक्सियोट ट्रोबिरु समुदय मठ ४,९०,००० चाय लक्ष नयौ इक्सियोट ट्रोबियो  
एप्रेम ट्रो निकटे हैरुटे विष्य जायुमत यमन शुल्क करियो ए निःशुष्टि साफ -  
विएस्ट्रेट्र उकावाला दलिल आपराय वाय बड़ावत्र यथात्तिति सहि सम्भादिते  
दसूच्छल्लोटी करियो दिलाय १३५ ईंट ई० सन १९९६ नालेत्र - १५५५ एक्सिल -  
देवति देवक १४०० वर्षात्तिवदरु - २ रुट ईवप्राध ।

उपर्युक्त विक्रित वस्त्रात्तिक प्रतिचय -

दलिल दक्षिण २४ पर्याप्ति, धान्या ओ ए डि एस एक्सिल ए विएस्ट्रेट्र, पर्याप्ति  
ए लियावाद ३१५ य० डेंड्रोज डूड़ दसूच्छल्लोटी न० १७, उद्द एल न० ७०,  
देवोजाट आम्बला ग्राम - १ अमा देवोजि १९ अतक शालि जामि बार्षिक ऋजन १  
१७ पर्याप्ति कर्तव्य ग्राम जियु याध्य यालिक एक्सियोट न० १, निःशुष्टि प्राप्ताहि २२१ य०  
वातियोट्ये -

50 Rs.



१६१ नंतर पठ नाडाई न० सात्रे पांचि १९ शतक , राष्ट्राधीनि वाजवा

५७ पैसां मूला १०,००० रुपये इतिहास टोका ।

२१ ऐ एलोकायु दे देवोजायु दे मालिकाखीदे एक जया रुपयाचि

२ एडे २५ शतक अमित्र वार्धिक वाजवा १३ टोका ३५ पैसां इतिहास घेणा  
मालिक विज्ञान न० १ विज गुजारि १०५२ न० एतिहास -

१६२ नं पठ वाहटि न० सात्रे पांचि २७ शतक , राष्ट्राधीनि वाजवा १-६० रुप  
मूला ८८,००० रुपये इतिहास टोका ।

२२ ऐ एलोकायु दे देवोजायु दे मालिकाखीदे एक जया रुपयाचि

१ एडे ५० शतक अमित्र वार्धिक वाजवा ११-५० पैसां कहवृत्त जया अमित्र  
मध्ये मालिक विज्ञान न० १ विज गुजारि ६८ न० एतिहास -

१६० पैसां वाहटि न० सात्रे पांचि १६ शतक वार्धिक वाजवा ७-३६ पैसां

मूला ३, २२,००० रुपये इतिहास टोका ।

কলকাতা পত্রিকা  
প্রকাশন কর্তৃপক্ষ  
বিদ্যুৎ পত্ৰিকা

একুবে একটি দোষায় ৩ টি বজ্যানে ৩টি দাগে যোগ ১০৪২ পতক পালি ছাই  
বিদ্যুৎ মুদ্রা ৪,৯০,০০০ চাতু লক নবুহ হাজার টাকা।

১৬৭ নং দাগের চৌহানি :-

উত্তু - ১৪০ মুদ্রা

দক্ষিণ - ১৬০ মুদ্রা

পূর্বব - ১৬২ মুদ্রা

পশ্চিম - ১৬৫ মুদ্রা

১৬২ নং দাগের চৌহানি :-

উত্তু - ১৬১ মুদ্রা

দক্ষিণ - ১৬৫ মুদ্রা

পূর্বব - ১৬০ মুদ্রা

পশ্চিম - ১৬৭, ১১৪ মুদ্রা

১৬০ নং দাগের চৌহানি :-

উত্তু - ১৬১ মুদ্রা

দক্ষিণ - ১৬৭ মুদ্রা

পূর্বব - ১৫৮ মুদ্রা

পশ্চিম - ১৬২, ১০৮ মুদ্রা

তপসীল টাকা মুদ্রা

বন্দ বাটুচৰ পণ্ডে ও বাঁই কুফটে এককালিন ৪,৯০,০০০,

চাতু লক নবুহ হাজার টাকা যাই এককালিন পণ্ড পুহন কৃত্যু নহি কৃত্যু।

১৫০-১৬০ - ০১৮-৭৭১ - পুরুষ কুপুরু পুরুষ পুরুষ -

" ০৩৬-৭৭১ .

পুরুষ পুরুষ পুরুষ

ইগাদি -

তপসীল টাকা

মুসাবিদা কাতুব -

মুসাবিদা কাতুব

Sudore Narayan Ghosh

Amritan Chakraborty

P. S. Chakraborty

Shib Nath Majhi

Shib Nath Majhi

Amritan Chakraborty

P. S. Chakraborty

টাকা - কাতুব -

শ্রীমন্ত শিবনাথ মজুহ

পালিলু মজুহ টাকা ।



Additional District Magistrate  
Bankura, South 24 Parganas



Additional District Magistrate  
Bankura, South 24 Parganas

24-6-46

Recd N  
Recd N